सन 2023, संवत-2080

'सौभाग्यम्'

श्रद्धांजलि विशेषांक

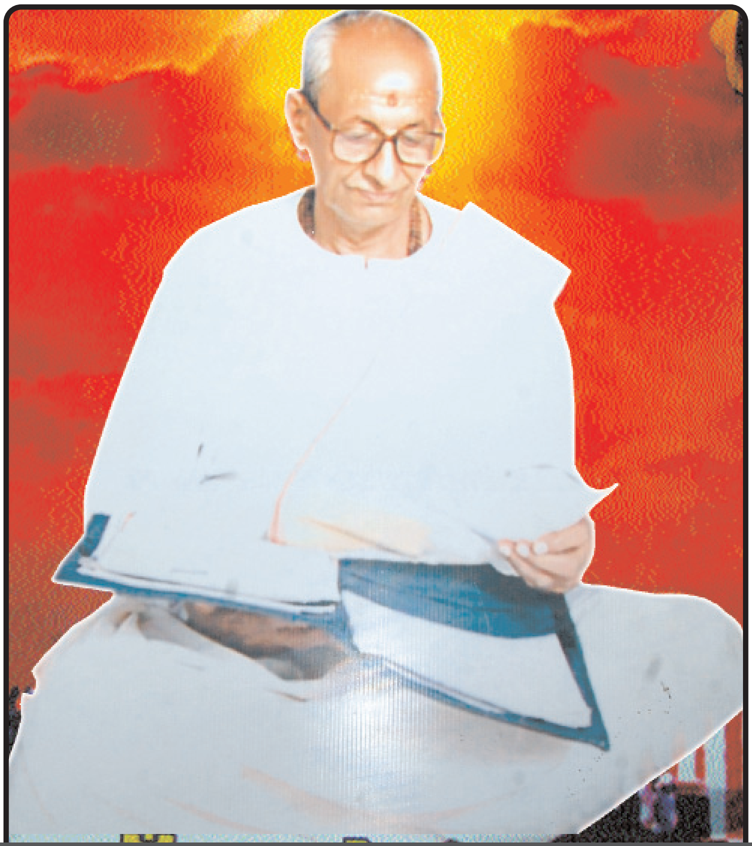

ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक : **ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी**

संपादकः **ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम**

आकल्पन : सिद्धि विनायक कम्प्यूटर्स
भोपाल मो. 9926980190

सर्वाधिकार सुरिक्षत 'सौभाग्यम्': ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल द्वारा प्रकाशित 'सौभाग्यम्' में मुद्रित विषय वस्तु या उसके अंश प्रकाशक की बिना लिखित अनुमति के छपवाना अथवा प्रकाशन करना अपराध है। ऐसी स्थिति में कापीराइट एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। सभी प्रकार के विवादों का निपटारा भोपाल के सभी सक्षम न्यायालयों में होगा।

प्रकाशक : **ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल**

: ज्योतिष मठ संस्थान, ईएम-129, नेहरू नगर, भोपाल-462003 मो. : 9827322068, email-pt.vinodgoutam@gmail.com, website-www.jyotishmath.com

सम्पादकीय

'सौभाग्यम्' स्मारिका संस्थान के प्रमुख प्रकाशनों में अपना विशेष महत्व रखती है। स्मारिका का प्रकाशन प्रतिवर्ष लगातार हो रहा है। यह अंक नवम् विश्व ज्योतिष सम्मेलन दिनांक 22, 23 और 24 सितम्बर 2023 ईस्वी स्थान वृंदावन को केंद्रित करके सौभाग्यम के रूप में प्रस्तुत कर पाने में आप सभी के सहयोग का आभारी हूं। जिन्होंने अपना अमूल्य समय सम्मेलन में दिया। पूर्व ज्योतिष सम्मेलन के छायाचित्र, संस्मरण जो संस्थान के पास उपलब्ध हुए उनको आपकी गरिमा के अनुरूप पत्रिका में व्यवस्थित स्थान देने की कोशिश की है। फिर भी कोई चित्र संस्मरण प्रस्तुत नहीं हो पाया हो इसके लिए करबद्ध क्षमा चाहते हुए पुनः सौभाग्यम् के अग्रिम प्रकाशन में प्रकाशित करने का हमारा प्रयास रहेगा। आज हम सब 'सौभाग्यम्' के माध्यम से ज्योतिष महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद गौतम एवं समाजसेवी श्री बाबूलाल गुप्ताजी कोटा की पुण्य स्मृति में किए जा रहे महासम्मेलन में श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

-ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम

यह अंक वृंदावन धाम में हो रहे नवम् विश्व ज्योतिष सम्मेलन को केंद्रित करके प्रकाशित किया जा रहा है। प्रकाशन में किसी भी प्रकार की कोई भूल के लिए क्षमा प्रार्थी हैं।

सलाहकार संपादक

अशोक प्रियदर्शी

संस्थापक

ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी

पदाधिकारी - ज्योतिष मठ संस्थान

अध्यक्ष-**श्रीमती भूपिन्दर कौर**
संचालक-**ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम**
कार्यालयाध्यक्ष-**ज्योतिषाचार्य पं. शिवार्चन शुक्ल**
कोषाध्यक्ष-**ज्योतिषी श्रीमती सविता गौतम**
पं. रामकिशोर वैदिक, पं. धनेश प्रपन्नाचार्य
पं. नारायण व्यास, डॉ. चेतन्य पी अग्रवाल
पं. देवेंद्र दुबेश्री सुबोध मिश्रा,
श्री अशोक प्रियदर्शी
श्री संजय भदौरिया
श्री ऋषभ दुबे, श्री आशीष कश्यप

संरक्षक मंडल

आवाहन पीठाधीश्वर 1008 महामंडलेश्वर अवधूत बाबा
श्री अरुण गिरि महाराजजी
मप्र पूर्व चीफ जस्टिस मा. श्री डीपीएस चौहानजी, इलाहाबाद
जस्टिस मा. श्री अशोक तिवारीजी, इंदौर,
न्यायाधीश मा. श्री एसएन द्विवेदीजी, भोपाल
न्यायाधीश मा. श्री एसएस उपाध्यायजी, भोपाल
महंत श्री रविंद्रदासजी, बगलामुखी सिद्धपीठ भोपाल
पं. श्रीराम जीवन दुबे गुरुजी, चामुंडा दरबार भोपाल
पं. श्री नारायणशंकर नाथूराम व्यासजी, जबलपुर
डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया, पूर्व मंत्री सांसद मप्र
श्रीमती शिवाराजे सिसौदियाजी, भोपाल
डॉ. पीएनएस चौहानजी, भोपाल
श्री अदिति कुमार त्रिपाठीजी संस्कृति संचालक मप्र
ज्योतिषाचार्य पं. सूर्यकांत चतुर्वेदीजी, जबलपुर
श्रीमती भावना वालंबेजी आईएएस, भोपाल
राष्ट्र संत श्री नित्यानंदगिरिजी महाराज, वृंदावन
श्री चंद्रप्रकाश जोशीजी, कोटरा भोपाल
श्री राजेश मिश्राजी पुष्पांजलि पंचांग, भोपाल
श्री अनंत चरणदासजी महाराज, धर्माधिकारी कोटा, वृंदावन
आचार्य पं. बालाप्रसादजी त्रिपाठी, (हरदुआ) जबलपुर
श्री नित्यानंद गिरिजी महाराज वृंदावन
श्री प्रहलाद अग्रवालजी रामनारायण पंचांग जबलपुर
डॉ. प्रकाश गौतम,पंचांगकार दमोह
श्री पंकज व्यास, इंजीनियर भोपाल
श्री नीरज पांडे इंजीनियर, भोपाल
श्री पवन अरोराजी इंजीनियर भोपाल

सलाहकार

डॉ. अनिल शर्माजी, आचार्य पं. रामकिशोर वैदिकजी
पं. धनेश प्रपन्नाचार्यजी श्री देवकुमार सतवानीजी
श्री अकुंर फर्नांडीज, श्री बलवीर सिंह कुशवाह

चेतन्य अवस्था का अंतिम पवित्र दर्शन।
नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंदजी गुप्ता, कोटा

श्रद्धानुवत धर्माधिकारी धर्मगुरु अनंत चरणदास

परमपूज्य नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंदजी गुप्ता जी की स्मृति में आयोजित नवम् विश्व ज्योतिष सम्मेलन में हम सभी ज्योतिषाचार्यों द्वारा आपके समाजसेवा के कार्यों को नमन करते हुए आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

सर्व आयोजन समिति
पदाधिकारीगण
महाज्योतिष सम्मेलन
वृंदावन

चेतन्य अवस्था का अंतिम पवित्र दर्शन।
ज्योतिष महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद गौतम

श्रद्धानुवत धर्माधिकारी धर्मगुरु अनंत चरणदास

परमपूज्य ज्योतिष महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी की पुण्य स्मृति में आयोजित नवम् विश्व ज्योतिष सम्मेलन में हम सभी ज्योतिषाचार्यों द्वारा आपके ज्योतिष शास्त्र के कार्यों को नमन करते हुए आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

सर्व आयोजन समिति
पदाधिकारीगण
महाज्योतिष सम्मेलन
वृंदावन

नवम् विश्व ज्योतिष सम्मेलन वृंदावन के संयोजक धर्माचार्य धर्माधिकारी श्री अनंत चरणदासजी महाराज द्वारा यह नौवां सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इसके पूर्व भारत के अनेक शहरों में सफल ज्योतिष सम्मेलनों में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आपके द्वारा वृंदावन धाम में महर्षि वेदव्यास वेद प्रचार अनुसंधान गुरुकुलम् की स्थापना हेतु निरंतर प्रयास जारी हैं। इस गुरुकुलम् में चारों वेदों का ज्ञान अर्जित कर विद्वान पूरे भारत में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करेंगे। आपको कामाख्या देवी माता की विशेष कृपा है। आप चेतन्य महाप्रभु के अनुयायी हैं। आपको भोपाल ज्योतिष मठ संस्थान एवं मध्यप्रदेश सरकार संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में धर्मगुरु, धर्माचार्य की पदवी से अलंकृत किया जा चुका है। हम आपके सभी प्रयासों की सफलता की कामना करते हुए ज्योतिष सम्मेलन में पधारे सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते है।

पं. विनोद गौतम,

संचालक ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल

खुले मन से करें सहयोग

महर्षि वेदव्यास वेद प्रचार अनुसंधान गुरुकुलम् वृंदावन में स्थापित होने जा रहा है जिसमें चारों वेदों का ज्ञान निचले स्तर से शुरू होकर उच्च स्तर पर दिया जाएगा। इस गुरुकुलम में बड़े-बड़े संत-महंतों, महामंडलेश्वरों द्वारा समय-समय पर उपस्थित होकर धर्म ज्ञान प्रदान किया जाएगा। इसकी स्थापना हेतु आर्थिक सहयोग अपेक्षित है। गुरुकुलम की स्थापना हेतु भूमि प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। आगे की निर्माण कार्य विद्यालय, अनुसंधान, कार्यालय कक्ष एवं आवास, गार्डन एवं चारों वेदों के अलग-अलग परिसर तैयार होंगे। जिसमें अनेक प्रकार की धार्मिक गतिविधियां संचालित होंगी। प्राचीन विद्याओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जाएगा।

अनंत चरणदास

महर्षि वेदव्यास वेद प्रचार अनुसंधान गुरुकुलम् वृंदावन के मुख्य संरक्षक

परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री 1008
श्री हृदयानन्ददासजी महाराज

अनंतश्री विभूषित श्रोतीय ब्रह्मनिष्ट श्रीमद परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रीश्री 1008 आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर परमपूज्य पाद स्वामी अवधूत बाबा अरुणगिरिजी महाराज, ऋषिकेस

ॐ श्री गणेशाय नमः

महर्षि वेदव्यास वेदप्रचार अनुसंधान गुरुकुलम्, वृंदावन

पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्व वैदिक गुरुकुलम्, वृंदावन

परम पूज्य गुरूदेव श्री श्री 1008
श्री हृदयानन्द दास बाबाजी महाराज

स्थापना निमित्त

ऑल इण्डिया फलौदी एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च सोसायटी (पंजीकृत)

द्वारा आयोजित

नवम् विश्व ज्योतिष, तंत्र, वास्तु कर्मकाण्ड, योग, आयुर्वेद एवम् वेद महासम्मेलन

दिनांक : 22-23-24 सितम्बर 2023

स्थान : भक्ति वेदांत मन्दिर, 6 शिखर मन्दिर के पास, प्रेम मन्दिर के पीछे, सुनरख बांगर रोड़, वृंदावन

महासम्मेलन समाजसेवी नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंद जी गुप्ता कोटा एवं महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद जी गोतम, ज्योतिष मठ, भोपाल की पुन्य स्मृति में समर्पित है।

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
अनंत श्री विभूषित श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ
श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री श्री 1008
आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज
(एनवायरनमेंट बाबा) ऋषिकेश

कार्यक्रम शुभारंभ अध्यक्षता
(22 सितम्बर 2023)
श्री महेश चंद्र शर्मा (पूर्व सांसद)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान
एवं विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली

कार्यक्रम मुख्य संयोजक एवम् अध्यक्ष
धर्माचार्य अनंतचरण दास श्यामानंदी
संस्थापक अध्यक्ष
पं. दीनदयाल उपाध्याय अंतराष्ट्रीय वैदिक गुरुकुलम
चैतन्यमहाप्रभु अनुयाई, देवी उपासक
कोटा-वृंदावन
मो.: 9460816109, 8209357415

कार्यक्रम अध्यक्षता
(23 सितम्बर 2023)
प्रोफेसर डॉ. गोविन्द सहाय शुक्ल
अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष
विश्व आयुर्वेद परिषद

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
श्री श्री राधाश्याम सुन्दर मंदिर,
सेवायत गोस्वमी गुरुदेव आचार्य
कृष्ण गोपालानंद गोस्वामी प्रभुपाद जी महाराज
वृंदावन

महासम्मेलन स्वागत समिति

ज्योतिषाचार्य श्री बृजनंदन उपाध्याय
गया धाम

ज्योतिषाचार्य पं. कमलकिशोर शास्त्री जी
कोटा

श्री संजय शर्मा
बाराबंकी

ज्योतिषाचार्य उर्वशी कर्णवाल जी
दिल्ली

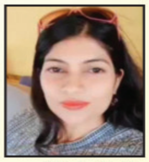

समाजसेवी स्नेहा सिंह जी
कोटा

ज्योतिषी डॉ. प्रियंका तिवारी जी
कोटा

ज्योतिषी जयश्री शर्मा जी
कोटा

ज्योतिष विद्यार्थी
श्रीमती गुंजन अग्रवाल जी, भोपाल

समाजसेवी श्री संजय शर्मा
आगरा

समाजसेवी डॉक्टर
आर के चतुर्वेदी जी, बरेली

श्री भजनलाल देंगला
गाजियाबाद

ज्योतिषाचार्य श्री अरुण ओम मित्तल
कोटा

ज्योतिषाचार्य डॉक्टर
पं. राम शंकर तिवारी जी, इंदौर

ज्योतिषी लक्ष्मी राय जी
जयपुर

पंडित श्री प्रकाश गौड़
इंदौर

आचार्य संजय शर्मा जी
जयपुर

आध्यात्मिक ज्योतिष एवं ध्यान विशेषज्ञ
एम एस सोनी जी, मुंबई

ॐ श्री गणेशाय नमः

महर्षि वेदव्यास वेदप्रचार अनुसंधान गुरुकुलम्, वृंदावन

पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्व वैदिक गुरुकुलम्, वृंदावन

परम पूज्य गुरूदेव श्री श्री 1008
श्री हृदयानन्द दास बाबाजी महाराज

स्थापना निमित्त

ऑल इण्डिया फलौदी एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च सोसायटी (पंजीकृत)

द्वारा आयोजित

नवम् विश्व ज्योतिष, तंत्र, वास्तु कर्मकाण्ड, योग, आयुर्वेद एवम् वेद महासम्मेलन

दिनांक : 22-23-24 सितम्बर 2023

स्थान : भक्ति वेदांत मन्दिर, 6 शिखर मन्दिर के पास, प्रेम मन्दिर के पीछे, सुनरख बांगर रोड़, वृंदावन

महासम्मेलन समाजसेवी नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंद जी गुप्ता कोटा एवं महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद जी गोतम, ज्योतिष मठ, भोपाल की पुन्य स्मृति में समर्पित है।

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
अनंत श्री विभूषित श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ
श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री श्री 1008
आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज
(एनवायरनमेंट बाबा) ऋषिकेश

कार्यक्रम शुभारंभ अध्यक्षता
(22 सितम्बर 2023)
श्री महेश चंद्र शर्मा (पूर्व सांसद)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान
एवं विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली

कार्यक्रम मुख्य संयोजक एवम् अध्यक्ष
धर्माचार्य अनंतचरण दास श्यामानंदी
संस्थापक अध्यक्ष
पं. दीनदयाल उपाध्याय अंतराष्ट्रीय वैदिक गुरुकुलम
चैतन्यमहाप्रभु अनुयाई, देवी उपासक
कोटा-वृंदावन
मो.: 9460816109, 8209357415

कार्यक्रम अध्यक्षता
(23 सितम्बर 2023)
प्रोफेसर डॉ. गोविन्द सहाय शुक्ल
अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष
विश्व आयुर्वेद परिषद

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
श्री श्री राधाश्याम सुन्दर मंदिर,
सेवायत गोस्वमी गुरुदेव आचार्य
कृष्ण गोपालानंद गोस्वामी प्रभुपाद जी महाराज
वृंदावन

महासम्मेलन मंच संचालन

डॉक्टर निशा शर्मा जी
भोपाल

सुश्री शिखा यादव
भोपाल

परामर्श समिति अध्यक्ष महासम्मेलन

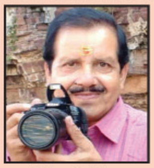

समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार
श्री सुधींद्र गौड़, कोटा

महासम्मेलन प्रचार समिति

हस्तरेखा विशेषज्ञ रितिका जी वार्ष्णेय
रुद्रपुर, उत्तराखंड

ज्योतिषाचार्य अर्चना कपूर जी
पंचकुला

ज्योतिषाचार्य व अभिवक्ता
ऋतु सूद जी, चण्डीगढ़

ज्योतिषाचार्य कविता वशिष्ठ जी
लुधियाना, पंजाब

सरदार इंद्रप्रीत सिंह जी खुराना
लुधियाना

ज्योतिषाचार्य शिल्पा जी सेठी
नोएडा

कथा व्यास, ज्योतिषाचार्य
पं. धनेश प्रसन्नाचार्य जी, भोपाल

ज्योतिष गुरु स्वामी नीरज जी महाराज
नगर करनपुर, खालिस्पूर, जौनपुर

आचार्य सुरेश शर्मा जी
दिल्ली

ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु शास्त्री
डॉ. कल्पना जी शर्मा, उदयपुर

ज्योतिषाचार्य डॉ. संगीता सोनी
भोपाल

तंत्राचार्य श्री मौलेश भाई एम पटेल
मालावाड़ा, मातर, खेड़ा, गुजरात

ज्योतिषाचार्य पंडित रघुवीर शर्मा
कोटा

ज्योतिषाचार्य डॉ. प्रीती वाघमारे
भोपाल

राधे-राधे

ॐ श्री गणेशाय नमः

महर्षि वेदव्यास वेदप्रचार अनुसंधान गुरुकुलम्, वृंदावन

पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्व वैदिक गुरुकुलम्, वृंदावन

परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री 1008
श्री हृदयानन्द दास बाबाजी महाराज

स्थापना निमित्त

ऑल इण्डिया फलौदी एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च सोसायटी (पंजीकृत)

द्वारा आयोजित

नवम् विश्व ज्योतिष, तंत्र, वास्तु कर्मकाण्ड, योग, आयुर्वेद एवम् वेद महासम्मेलन

दिनांक : 22-23-24 सितम्बर 2023

स्थान : भक्ति वेदांत मन्दिर, 6 शिखर मन्दिर के पास, प्रेम मन्दिर के पीछे, सुनरख बांगर रोड़, वृंदावन

महासम्मेलन समाजसेवी नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंद जी गुप्ता कोटा एवं महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद जी गोतम, ज्योतिष मठ, भोपाल की पुन्य स्मृति में समर्पित है।

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
अनंत श्री विभूषित श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ
श्रीमतपरमहंस परिव्राजकाचार्य श्री श्री 1008
आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज
(एनवायरनमेंट बाबा) ऋषिकेश

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक
गुरुदेव डॉक्टर रामजी चौबे

मुख्य संरक्षक-माननीय श्री दिनेश जी अंतर्राष्ट्रीय मार्गदर्शक VHP

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
श्री श्री राधाश्याम सुन्दर मंदिर,
सेवायत गोस्वमी गुरुदेव आचार्य
कृष्ण गोपालानंद गोस्वामी प्रभुपाद जी महाराज
वृंदावन

कार्यक्रम शुभारंभ अध्यक्षता
(22 सितम्बर 2023)
श्री महेश चंद्र शर्मा (पूर्व सांसद)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान
एवं विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली

कार्यक्रम मुख्य संयोजक एवम् अध्यक्ष
धर्माचार्य अनंतचरण दास श्यामानंदी
संस्थापक अध्यक्ष
पं. दीनदयाल उपाध्याय अंतराष्ट्रीय वैदिक गुरुकुलम
चैतन्यमहाप्रभु अनुयाई, देवी उपासक
कोटा-वृंदावन
मो.: 9460816109, 8209357415

कार्यक्रम अध्यक्षता
(23 सितम्बर 2023)
प्रोफेसर डॉ. गोविन्द सहाय शुक्ल
अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष
विश्व आयुर्वेद परिषद

महासम्मेलन गोल्ड मेडल जज समिति

वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ
पं. श्री रमेश भोजराज द्विवेदी
जोधपुर

पंचांगकर्ता, ज्योतिषाचार्य
पं. विनोद गौतम जी
भोपाल

वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य
डॉ. श्री हेमचन्द्र पाडेय
भोपाल

वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य
श्री हृदया नन्द राव
भोपाल

पं. गौतम गुरु जी
केपी, वैदिक, मेडिकल, नाड़ी ज्योतिष
भोपाल

वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य
पंडित मोहनलाल जी शर्मा
जयपुर

ज्योतिषाचार्य
श्री परमानंद शास्त्री
फ़रीदाबाद, हरियाणा

ज्योतिषाचार्य एवं कानून विशेषज्ञ
डॉ. चन्द्रशेखर शर्मा जी
जयपुर

पंडित
अजय कुमार तेलंग जी
मथुरा

ज्योतिषाचार्य
डॉ. सोमदत्त शास्त्री
फरीदाबाद, हरियाणा

पंडित सुरेश गौड़ जी
संपादक, प्रकाशक
सनातन ज्योतिष पंचांग सुमेरपुर, पाली

ॐ श्री गणेशाय नमः

महर्षि वेदव्यास वेदप्रचार अनुसंधान गुरुकुलम्, वृंदावन

पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्व वैदिक गुरुकुलम्, वृंदावन

परम पूज्य गुरूदेव श्री श्री 1008
श्री हृदयानन्द दास बाबाजी महाराज

स्थापना निमित्त

ऑल इण्डिया फलौदी एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च सोसायटी (पंजीकृत)

द्वारा आयोजित

नवम् विश्व ज्योतिष, तंत्र, वास्तु कर्मकाण्ड, योग, आयुर्वेद एवम् वेद महासम्मेलन

दिनांक : 22-23-24 सितम्बर 2023

स्थान : भक्ति वेदांत मन्दिर, 6 शिखर मन्दिर के पास, प्रेम मन्दिर के पीछे, सुनरख बांगर रोड़, वृंदावन

महासम्मेलन समाजसेवी नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंद जी गुप्ता कोटा एवं महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद जी गोतम, ज्योतिष मठ, भोपाल की पुन्य स्मृति में समर्पित है।

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
अनंत श्री विभूषित श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ
श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री श्री 1008
आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरूण गिरी जी महाराज
(एनवायरनमेंट बाबा) ऋषिकेश

कार्यक्रम शुभारंभ अध्यक्षता
(22 सितम्बर 2023)
श्री महेश चंद्र शर्मा (पूर्व सांसद)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान
एवं विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली

कार्यक्रम मुख्य संयोजक एवम् अध्यक्ष
धर्माचार्य अनंतचरण दास श्यामानंदी
संस्थापक अध्यक्ष
पं. दीनदयाल उपाध्याय अंतराष्ट्रीय वैदिक गुरुकुलम
चैतन्यमहाप्रभु अनुयाई, देवी उपासक
कोटा-वृंदावन
मो.: 9460816109, 8209357415

कार्यक्रम अध्यक्षता
(23 सितम्बर 2023)
प्रोफेसर डॉ. गोविन्द सहाय शुक्ल
अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष
विश्व आयुर्वेद परिषद

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
श्री श्री राधाश्याम सुन्दर मंदिर,
सेवायत गोस्वमी गुरुदेव आचार्य
कृष्ण गोपालानंद गोस्वामी प्रभुपाद जी महाराज
वृंदावन

महासम्मेलन समन्वयक

समाजसेवी श्री बृषाभान कानोडिया
मुंबई

समाजसेवी पुखराज जी डागा
कपिल, फर्रुखाबाद

महासम्मेलन मंच अनुशासन व्यवस्था अध्यक्ष

श्री सतीश कुमार
(ASI) राजस्थान पुलिस, कोटा

महासम्मेलन मीडिया प्रभारी

अक्षत जी गुप्ता
कोटा

वैभव जी भंडारी
इंदौर

महासम्मेलन कार्यक्रम प्रवक्ता

ज्योतिषाचार्य पं. श्री सुनील कुमार त्रिपाठी
उदयपुर (राज.)

ज्योतिषी श्रीमती मंजू सिंह
दिल्ली

ज्योतिषाचार्य डॉ. अनुजपाल स्वामी
कानपुर

ज्योतिषाचार्य मीनू श्री जी
फरीदाबाद (हरियाणा)

ज्योतिषाचार्य नेहा श्री जी
फरीदाबाद (हरियाणा)

ज्योतिषाचार्य मां बगलामुखी साधक
रजनी जी निखिल, भोपाल

ज्योतिषाचार्य प्रमिला गुप्ता जी
कोटा (राज.)

डॉ. भारती जी वर्मा सोनी
नाड़ी ज्योतिषाचार्य व हस्तरेखा विशेषज्ञ, उज्जैन

ॐ श्री गणेशाय नमः

महर्षि वेदव्यास वेदप्रचार अनुसंधान गुरुकुलम्, वृंदावन

पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्व वैदिक गुरुकुलम्, वृंदावन

स्थापना निमित्त

ऑल इण्डिया फलौदी एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च सोसायटी (पंजीकृत)

परम पूज्य गुरूदेव श्री श्री 1008
श्री हृदयानन्द दास बाबाजी महाराज

द्वारा आयोजित

नवम् विश्व ज्योतिष, तंत्र, वास्तु कर्मकाण्ड, योग, आयुर्वेद एवम् वेद महासम्मेलन

दिनांक : 22-23-24 सितम्बर 2023

स्थान : भक्ति वेदांत मन्दिर, 6 शिखर मन्दिर के पास, प्रेम मन्दिर के पीछे, सुनरख बांगर रोड़, वृंदावन

महासम्मेलन समाजसेवी नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंद जी गुप्ता कोटा एवं महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद जी गोतम, ज्योतिष मठ, भोपाल की पुन्य स्मृति में समर्पित है।

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
अनंत श्री विभूषित श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ
श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री श्री 1008
आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज
(एनवायरनमेंट बाबा) ऋषिकेश

कार्यक्रम शुभारंभ अध्यक्षता
(22 सितम्बर 2023)
श्री महेश चंद्र शर्मा (पूर्व सांसद)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान
एवं विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली

कार्यक्रम मुख्य संयोजक एवम् अध्यक्ष
धर्माचार्य अनंतचरण दास श्यामानंदी
संस्थापक अध्यक्ष
पं. दीनदयाल उपाध्याय अंतराष्ट्रीय वैदिक गुरुकुलम
चैतन्यमहाप्रभु अनुयाई, देवी उपासक
कोटा-वृंदावन
मो.: 9460816109, 8209357415

कार्यक्रम अध्यक्षता
(23 सितम्बर 2023)
प्रोफेसर डॉ. गोविन्द सहाय शुक्ल
अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष
विश्व आयुर्वेद परिषद

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
श्री श्री राधाश्याम सुन्दर मंदिर,
सेवायत गोस्वमी गुरुदेव आचार्य
कृष्ण गोपालानंद गोस्वामी प्रभुपाद जी महाराज
वृंदावन

महासम्मेलन कार्यक्रम संयोजक

श्री प्रभात कुमार द्विवेदी
कपिल, फर्रुखाबाद (उ.प्र.)

वैद्य श्री प्राणेश कुमार वर्मा
इटावा (उ.प्र.)

महासम्मेलन कार्यक्रम अनुदेशक

कमांडर देव शुक्ला जी
राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच

महासम्मेलन कार्यक्रम प्रभारी

समाजसेवी श्री हिमांशु शर्मा
दिल्ली

समाजसेवी श्री पंकज शर्मा
दिल्ली

महासम्मेलन कार्यक्रम उप संयोजक

समाजसेवी श्री अमित किशनअवतार जोशी
अहमदाबाद

समाजसेवी श्री कमल गुप्ता
सोयत, मध्यप्रदेश

समाजसेवी श्री लोकेंद्र प्रसाद अग्रवाल
जयपुर, राजस्थान

समाजसेवी श्री नीरज कुमार अग्निहोत्री
कायमगंज, जिला फर्रुखाबाद

श्री जगराम यादव
राष्ट्रीय अध्यक्ष, जे वी ग्रीन फाउंडेशन ट्रस्ट, दिल्ली

समाजसेवी श्री मनोज कुमार चतुर्वेदी
शमशाबाद, जिला फर्रुखाबाद

समाजसेवी सरदार अरविंदर सिंह लूथरा जी
दिल्ली

तंत्र विशेषज्ञ समाजसेवी
श्री प्रदीप कुमार दाधीच, जयपुर

समाजसेवी श्री राजेश गुप्ता, करावन
सदस्य, जन अभियोग निराकरण समिति राजस्थान सरकार

ज्योतिष श्री पूरन चंद्र सोनी
कोटा, राजस्थान

ॐ श्री गणेशाय नमः

महर्षि वेदव्यास वेदप्रचार अनुसंधान गुरुकुलम्, वृंदावन

पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्व वैदिक गुरुकुलम्, वृंदावन

परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री 1008
श्री हृदयानन्द दास बाबाजी महाराज

स्थापना निमित्त

ऑल इण्डिया फलौदी एस्ट्रोलोजिकल रिसर्च सोसायटी (पंजीकृत)

द्वारा आयोजित

नवम् विश्व ज्योतिष, तंत्र, वास्तु कर्मकाण्ड, योग, आयुर्वेद एवम् वेद महासम्मेलन

दिनांक : 22-23-24 सितम्बर 2023

स्थान : भक्ति वेदांत मन्दिर, 6 शिखर मन्दिर के पास, प्रेम मन्दिर के पीछे, सुनरख बांगर रोड़, वृंदावन

महासम्मेलन समाजसेवी नित्यलीला प्रविष्ट श्री लालचंद जी गुप्ता कोटा एवं महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद जी गोतम, ज्योतिष मठ, भोपाल की पुन्य स्मृति में समर्पित है।

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
अनंत श्री विभूषित श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ
श्रीमत्परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री श्री 1008
आवाहन पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर
परमपूज्यपाद स्वामी अवधूत बाबा अरुण गिरी जी महाराज
(एनवायरनमेंट बाबा) ऋषिकेश

कार्यक्रम शुभारंभ अध्यक्षता
(22 सितम्बर 2023)
श्री महेश चंद्र शर्मा (पूर्व सांसद)
राष्ट्रीय अध्यक्ष
एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान
एवं विकास प्रतिष्ठान, दिल्ली

कार्यक्रम मुख्य संयोजक एवम् अध्यक्ष
धर्माचार्य अनंतचरण दास श्यामानंदी
संस्थापक अध्यक्ष
पं. दीनदयाल उपाध्याय अंतराष्ट्रीय वैदिक गुरुकुलम
चैतन्यमहाप्रभु अनुयाई, देवी उपासक
कोटा-वृंदावन
मो.: 9460816109, 8209357415

कार्यक्रम अध्यक्षता
(23 सितम्बर 2023)
प्रोफेसर डॉ. गोविन्द सहाय शुक्ल
अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष
विश्व आयुर्वेद परिषद

आशीर्वाद एवं मुख्य संरक्षक महासम्मेलन
श्री श्री राधाश्याम सुन्दर मंदिर,
सेवायत गोस्वामी गुरुदेव आचार्य
कृष्ण गोपालानंद गोस्वामी प्रभुपाद जी महाराज
वृंदावन

महासम्मेलन संरक्षक मण्डल

श्री ढाल सिंह बिसेन साहब
संसद सदस्य
बालाघाट (म.प्र.)

श्री रामदास बडू अठावले जी
केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता
राज्य मंत्री, भारत सरकार

कमांडर देव शुक्ला जी
राष्ट्रीय संगठन महामंत्री
पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच

आचार्य श्री नित्यानंद गिरी जी महाराज
नीलकंठ धाम, परिक्रमा मार्ग,
वृंदावन

एडवोकेट श्री रवीन्द्र के द्विवेदी
अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्व हिंदू सेवा संघ
सदस्य- महिला बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार (दर्जा राज्यमंत्री)

श्री मां पीतांबरा पीठाधीश अनंत श्री
विभूषित महंत श्री रविंद्रदास जी महाराज
भोपाल

महामंडलेश्वर राजराजेश्वरी
त्रिपुर सुन्दरी
वर्फानी धाम, भोपाल

दतिया राज घराने के तेरहवें वंशज
सवाई राजा राहुल देव सिंह जी
दतिया (म.प्र.)

राजकुमारी
श्रीमती परिणीता कुमारी साहिबा
दतिया (म.प्र.)

स्वामी हीमानंद सरस्वती जी
वेद एवं आयुर्वेदाचार्य
राजगीर, नालंदा (बिहार)

महामंडलेश्वर योगिंनी गुरु माँ
राधा सरस्वती जी महाराज
ऋषिकेश (उत्तराखंड)

श्री महाविद्या रुद्रतारा उपासक सिद्ध महंत
डॉ. श्री सत्यनारायण गिरी जी महाराज
बोरदई टेकरी, जिला सिवनी (म.प्र.)

डॉ. तरुण मुरारी बापू जी
ज्योतिषाचार्य एवम् व्यास कथा प्रवक्ता
हरिद्वार

महामंडलेश्वर पं. डॉ. श्री भूपेंद्रानंद
भुवनेश्वर स्वाजी महाराज
तिरुपति

महामंडलेश्वर अरविन्दर सिंह 'शास्त्री' जी
दिव्य शक्ति अखाड़ा
मेरठ, उत्तर प्रदेश

महामंडलेश्वर
श्री कमलकिशोर महाराज
सहारनपुर (उत्तर प्रदेश)

संयुक्त आयोजकः
ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल
कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन

आभार धन्यवाद

कालिदास राष्ट्रीय महर्षि ज्योतिष सम्मेलन 11-12 जुलाई 2023, स्थान : भोपाल, बाल्मी सभागृह में 8 सत्रों में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पधारे 12 प्रदेश के ज्योतिषाचार्यों का सानिध्य एवं ज्ञान प्राप्त हुआ। आयोजन समिति के पं. विनोद गौतम श्रीमती भूपिंदर औबेराय, पं. धनेश प्रपन्नाचार्य, पं. सुबोध मिश्रा, डॉ. चेतन्य अग्रवाल, पं. नारायण प्रसाद व्यास, श्रीमती रजनी निखिल, अशोक प्रियदर्शी एवं प्रीति बाघमारे तथा ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल तथा कालिदास संस्कृति अकादमी उज्जैन की तरफ से आप सभी अतिथि ज्योतिषाचार्यों का आभार। आपने अपनी ज्ञान गंगा के माध्यम से हम सबको उपकृत किया। विशेष तौर से अतिथि के रूप में श्रीमती शिवा राजे सिंह सिसौदिया जी, श्री अदिति कुमार त्रिपाठीजी संस्कृति संचालक मप्र, पूर्व मंत्री श्री रामकृष्ण कुसमारियाजी, कुलपति प्रो. सुनील कुमारजी, पूर्व मंत्री श्री नंदकिशोर पुरोहितजी-हरिद्वार, पूर्व न्यायाधीश श्री एसएन द्वीवेदीजी, पूर्व मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री पीसी शर्माजी, पंचांगकार प्रकाश गौतमजी एवं पंचांगकार श्री राजेश मिश्रजी, बगलामुखी पीठीधीश्वर महंत रविंद्र्दासजी, राष्ट्रसंत आचार्य श्री नित्यानंद वृंदावन, धर्माचार्य धर्मगुरु श्री अनंतचरणदासजी महाराज वृंदावन, पं. रामजीवन दुबे गुरुजी चामुंडा दरबार भोपाल, श्री पुष्पेंद्र मिश्रा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मप्र, श्री हरिनारायणचारी मिश्रा पुलिस कमिश्नर भोपाल, श्री चंद्रशेखर तिवारी संस्कृति बचाओ मंच भोपाल, डॉ. अनिल शर्माजी अयुर्वेदाचार्य भोपाल, श्री विष्णु प्रसाद धाकड़जी, मामा धुबेड़ा, पं. हेमचंद्र पांडेजी भोपाल, डॉ. जेपी पालीवाल भोपाल, श्री विद्याभूषणजी भोपाल पं. सीआर शर्मा भोपाल, आचार्य सीएल चौरेजी भोपाल, श्री संजय शर्माजी भागवताचार्य चंद्रपुर, श्री दिनेश शर्माजी वरिष्ठ पत्रकार भोपाल, पं. बलराम दुबेजी ज्योतिषाचार्य मंडीदीप, पूर्व मंत्री आचार्य राजेंद्र शर्माजी, पं. रमाशंकर तिवारी इंदौर, पं. रमेश जोशीजी भोपाल, धर्माधिकारी पं. गंगा प्रसाद शास्त्री भोपाल, पं. युवराज राजौरियाजी गुना, श्री दामोदर बंसल उदयपुर, श्री रोहित वर्माजी उदयपुर, श्री एचएन राव जी भोपाल, श्री अशोकानंदजी भोपाल, श्री जगन्नाथ बसुदेव मुंबई, श्री गौतम सूदजी चंडीगढ़, श्री महेश दीक्षित भोपाल, पं. अवनीश त्रिवेदी भोपाल, पं. लक्ष्मीचंद चौधरीजी कुरावर, श्री आनंद वरंदानी भोपाल, श्री गोविंद प्रसाद सोनभद्र, श्री पंकजशर्मा पाटन-इंदौर, श्री गौरव गुप्ता इंदौर, श्री इंद्रप्रीजी लुधियाना, श्री पीएन शास्त्रीजी फरीदाबाद, श्रीमती ममता वाष्णेयजी भोपाल, श्रीमती मनोरमा नागर शाजापुर, श्रीमदी देवी ज्ञानेश्वरीजी सिवनी, श्रीमती मधुलात दीक्षितजी भोपाल, श्री कमलकुमार पांडेजी दुर्गा मंदिर जबलपुर, श्रीमती भारती वर्माजी उज्जैन, श्रीमती ममला सिंह जी भोपाल, श्रीमती लक्ष्मी सिंघलजी भोपाल, श्रीमती दिव्यांजलि मिश्रा बिलासपुर, श्रीमती कुंजन अग्रवाल, भोपाल, डॉ. वसुंधरा अग्रवाल इंदौर, ब्रह्मचारिणी पूनमजी मेरठ, साध्वी रेखा किशोरीजी भोपाल, श्रीमती कविता वशिष्ठजी लुधियाना, श्रीमती अर्चना कूपरजी लुधियाना, श्री मोहित शर्मा उज्जैन, श्री प्रदीप मलहोत्रा दिल्ली, श्री प्रकाश शर्मा जी रतलाम, श्री अनुजपाल स्वामी कानपुर, श्री संतोष योगी इंदौर, पं. राजाबाबू दुबे वृंदावन पं. देवेंद्र दुबे भोपाल, पं. राजदीप पाठक कालीमठ भोपाल आदि मेरी स्मृति में जो अन्य ज्योतिषाचार्य भी छूट गए हैं उन सभी को नमन करते हुए हम सभी की तरफ से आपने जो सम्मेलन में पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है उसके लिए हृदय से बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद।

-पं. विनोद गौतम संयोजक ज्योतिष सम्मेलन

विशेष निवेदन 13-14 जुलाई 2024 ई. को पुनः राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में पधारें।

संयुक्त आयोजकः
ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल
कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन

भोपाल ज्योतिष सम्मेलन में विद्वानों द्वारा 35 शोध पत्र के रूप में प्रपत्र प्राप्त हुए। जिसमें 10 प्रपत्रों में नाम पता एवं अपनी उपल्बिधयों ता अनावश्यक विवरण लिखा था। 10 प्रपत्रों में विषय से हटकर लेख लिखे गए थे। 10 प्रपत्रों में हाथ से लिखे हुए एलियन जैसी हैंड राइटिंग में लिखे हुए थे। उपरोक्त प्रपत्रों में विषय विशेष पर लिखे गए दो लेख सटीक एवं प्रकाशनीय तथा पुरस्कृत करने योग्य रहे। अगले सम्मेलन में शोधार्थी विद्वानों का पुरस्कार स्वरूप विशेष सम्मान किया जाएगा। तथा शेष शोध पत्र अगला ज्योतिष सम्मेलन 13-14 जुलाई 2024 की पत्रिका में शामिल किए जाएंगे। प्रस्तुत है पुरस्कृत शोध पत्रों के शोध।

नाम : पं. बृजकिशोर त्रिपाठी (ज्योतिर्विद)

पता : भोपाल (म.प्र.), (मो. 9981817990)

कार्य : वैदिक ज्योतिष शोधार्थी व कुण्डली निर्माण

योग्यता : वास्तु-ज्योतिष पाठ्यक्रम में अध्ययनरत एवं भू.पू. मेकेनिकल इंजीनियर

वंदना : वक्रतुण्ड महाकाय सूर्य कोटि समप्रभः ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥
॥ ॐ गणपतये नमः ॥ श्री हनुमते नमः ॥ ॐ गुरुवे नमः ॥

अभिवादन : सम्मेलन में पधारे मुख्य अतिथि महोदय जी एवं कार्यक्रम के आयोजक महोदय जी को सादर नमन करता हूँ। साथ ही देश के सुदूर आंचलों से पधारे साधु-संतों एवं सभी विद्वानों को साधुवाद देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि ये सम्मेलन देश का अद्वितीय सम्मेलन हो ।

कालिदास राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन

परिचर्चा का विषयः सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान में ज्योतिष की भूमिका

1) ज्योतिष शास्त्र का उद्गम हमारी भारतीय संस्कृति का आधार वेद को माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार तहमा जी वेदो के प्रणेता है। ब्रहमा जी के चार सुख से चार बंद (1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद (3) सामवेद (4) अथर्ववेद निकले हैं। चारों वेदों के एक-एक उपवेद आयुर्वेद, धनुर्वेद, गंधर्व वेद स्थापत्य वेद

महाल पाणिनि ने अपने एक ब्लोक में वेदपुरुष के छः अंग बनाए हैं -

पादौ तु वेदल्य हस्तौ कल्पीय पठ्यते ।ज्योतिष्यामयनं चक्षुः निरुक्तं मुध्यते॥

शिक्षा प्राणं तु वेदस्य मुखं व्याकरणं स्मृयम् तस्मात्सांगमधीत्यैव ब्रह्मलोक महीयते अर्थ छंद वेद के पैर कल्प हा ज्योतिषशास्त्र नेत्र, निरुक्त-कान शिक्षा-नाक और व्याकरण मुख है और इनके सम्यक अध्ययन से ही ब्रह्मलोक प्राप्त होता है। इस श्लोक में ज्योतिष शास्त्र को वेदों के नेत्र स्वीकार किया गया है, जो कि भारतीय ऋषि मुनियों के त्याग तपस्या एवं ज्ञान की देन है।

2) ज्योतिष शास्त्र का परिचय ज्योतिष शास्त्र कोई भाग्य बताएं वाला शास्त्र नहीं है बल्कि यह नक्षत्रों की गणना के अनुसार प्राणी मात्र के पूर्व जन्म कृत शुभाशुभ कर्मों के आधार पर इस जन्म में प्राणियों का भूत-अविष्य और वर्तमान काल में मिलने वाले शुभाशुभ फलों से अवगत कराता है। यह लोगों को अंधविश्वासी नहीं बल्कि जागरूक बनाता है और जो भी इस विद्या को जान लिया उसे जीवन के चार पुरुषार्थ अर्थ, धर्म, काम मोक्ष और या प्रसिद्धि दिलाता है।

3) ज्योतिष की उपयोगिता ज्योतिष विद्या भारतीय संस्कृति की सबसे प्राचीन विदया है। इस विद्या के माध्यम से भारत विश्व गुरु रहा है और आगे भी रहेगा। भारतीय संस्कृति के सभी तीज-त्योहार व्रत पर्वो का निर्धारण ज्योतिष पंचांग गणना के आधार पर किया जाता है। इसके अलावा शुभ-अशुभ मुहूतों का ज्ञान, यह गोचर भ्रमण, चंद तारा बल, सभी लग्नों का निदान, कर्णवेध उपनयन विवाह आदि संस्कारों के लिए शुभ मुहूतों का चयन ज्योतिष शास्त्र के आधार पर किया जाता है। अतः स्त्योतिष एवं भारतीय संस्कृति एक दूसरे के पूरक है।

आज का युग अ प्रधान युग है क्योंकि यदि आपके पास धन है तो जीवन की सकल सुख- उपभोग की वस्तु यथा गाडझे वाहन बंगला आदि-आदि आपके पास होगी, भले ही जीवन का वास्तविक आनंद सुकून न हो। अतः हर व्यक्ति धन एवं ऐश्वर्य की खोज में जगह-जगह फिरता रहता है तो ऐसे में कोई विद्वान ज्योतिषा उसका सही मार्गदर्शन कर सकता है। उस व्यक्ति की जन्म कुंडली के माध्यम से यह बताया जा सकता है कि आपको जीवन के किस पड़ाव में किस मार्ग द्वारा कितना धन प्राप्त हो सकता है अथवा नहीं भी मिल सकता है। अगर उसकी कुंडली में धन कारक ग्रह पीडित, अस्त अवस्था में है तब उस यहाँ की शांति के लिए यहाँ से संबंधित मंत्र का जाप अनुष्ठान यहाँ के दाम व सिद्ध यत्री के माध्यम ने उन यहाँ की सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने के उपाय बताए जाते हैं, फल्तः निश्चित अवधि में उस व्यक्ति का जीवन खुशहाल व धन आगम से परिपूर्ण होने लगता है। यह यह नक्षत्रों की विद्या है और मानसागर में यह प्रशंसा में लिखा है कि-

यहा राज्यं प्रयच्छन्ति यहा राज्य हरन्ति च।

ग्रहैव्याप्तमिदं सर्वलोक्यं सचराचरम्॥

4) आजीविका सम्बंधी ज्योतिषीय सूत्र किसी भी व्यक्ति के धन पूर्ति के लिए उसकी आजीविका प्रमुख होती है। 'बृहद्जातक' के अनुसार जन्म लग्न, सूर्य अथवा चंद्रम में से जो सबसे बली हो, उस ग्रह से दशम भाव का स्वामी नवमांश कुंडली में जिस राशि में बैठा हो उस राशि के स्वामी ग्रह की बताई गई वृति के अनुसार आजीविका कहनी चाहिए।

आजीविका के सूत्र :-1) यदि कुंडली में दशमेश सूर्य उच्च बली हो (0 से 10 अंश तक का) हो तो जातक अपने बाहुबल, स्वपराक्रम से धन पाता है और सर्व सुखों को भोगता है।

2) यदि सूर्य मंगल एवं गुरु उच्च के होकर दशम भाव अथवा दशमेश से संबंध बनाते हो तो जातक प्रशासनिक अधिकारी बनता है और सम्मानित होता है।

3) यदि कुंडली में नवमेश सूर्य चंद्र अथवा गुरु हो और बलवान होकर दशम या दशमेश से संबंध बनाए तो जातक उच्च पदासीन और सम्मानित होता है (लक्ष्मीनारायण योग) 4) यदि कुंडली में 10 वै रा 11 वे भावस्य बलवान मंडल पर केवल पानि की दृष्टि हो तो जातक सिविल इंजीनियर बनता है।

5) यदि कुंडली में शनि-मंगल की परस्पर दृष्टि अथवा केवल मंगल की शनि पर दृष्टि हो तो जातक मैकेनिकल अथवा इलेक्ट्रिकल इंजीनियर बनता है।

6) यदि कुंडली में शनि-मंगल का संबंध दशम या दशमेश से हो और राहु भी इसमें शामिल हो जाए तो जातक इलेक्ट्रॉनिक या कम्युनिकेशन इंजीनियर बनता है।

(7) यदि कुंडली में शनि-मंगल की युति पंचम भाव हो तो जातक माइनिंग इंजीनियर बनता है।

नोट :- उपरोक्त सभी योगों में यहाँ का अंश बली होना बहुत जरूरी है।

5) निष्कर्ष:- आधुनिकता के इस युग में अधिकांश युवाओं का रुझान पाश्चात्य संस्कृति की ओर जाता है तथा कुछ अल्पज्ञ व पाखंडी ज्योतिषियों के कारण लोगों का ज्योतिष में विश्वास कम हो रहा है, अत: भारत की इस अमूल्य विरासत को जीवांत रखने के लिए अधिक से अधिक शोध कार्यों व समुचित प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है, जैसा कि हमारे ज्योतिष मठ भोपाल के आदरणीय संचालक महोदय एवं 'कालीन संस्कृत अकादमी उज्जैन के द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया जा रहा है। धन्यवाद ॥

सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान में ज्योतिष की भूमिका

मनोविज्ञान एवं ज्योतिष शास्त भारत संस्कृति सम्पन्न देश है। हजारों वर्षों 1 का इतिहास देश के गौरवशाली होने का प्रमाण है। कई सामाजिक, आर्थिक, भौगोलिक संघर्षों के झेलते भी हुए भारत की संस्कृति मजबूती से सदैव अग्रसारित होती रही। इस लिए कहा गया. सारे जहाँ से क्या बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमाठी सदियों रहा है दुश्मन, दौरे जहां हमारा सारे यहां से अच्छा हिन्दुस्तां हमारा !! भारतीय इतिहास समृद्ध रहा, लेकिन हमे. वर्तमान और भविष्य के पति भी सचेत रहना होगा। आधुनिक काल में जैसे- जैसे मशीनी युग का आरम्भ हुआ व्यक्तियों का झुकाव का झुकाव विज्ञान से ओर बढ़ा 1 सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन होने लगा। हमारी प्राच्य विद्याओं को सन्देह की दृष्टि से हमारे ही समाज द्वारा देखा जखेलमा।

प्रत्येक दिया को वैज्ञानिक कसौटी पर करना जाने लगा, आयुर्वेद, होपैची, वेग, जेतिष, आध्यात्म आई विभाओं को निरर्थक कह कर उपहा बनाया गया। योग का स्थान जिम ने ले लिया, आयुर्वेद की स्थान पर एलोपैथी को महत्वादया फे लगा, ज्योतिष को टोंग एवं इसी का कारोबार कहा जाने

लगा। जिन शास्त्रों ने भारत को विश्वगुरू के पद पर प्रतिष्ठीत किया था उन शास्त्रों से मात्र पोथी मानकर एक कोने में राजदिया गया। आधुनिकता की अंधी दौड़ में के साधन बन गए लेकित मानसिक असन्तोष, शारीरिक शिक्लिता, सुख-समृद्धि पाटेवाटिक विघटन जैसे दुष्परिणाम सामने आने लगे तब समाज पुनः भारत की प्राचीन विजाओं के प्रति धीरे चौरे लौटने लगा। इस आशा से इन समस्याओं का समाधान यहीं से मिलेगा। इसमें भी ज्योतिष क्षेत्र में समाज का बड़ा वर्ग सामने आया। ऐसे में ओतिष शास्त्र से जुड़े ज्ञानीजनो के ऊपर दायित्व आन पड़ा है कि वर्षों के अन्तत्से से भ्रमित ज्योतिष शात्र के पुनः प्रतिष्ठीत करने में आवश्यक बदले अपन्य योगदान मे। इसके लिए कुछ र्न ज्योतिष जनों के करने देगें। कुछ कड़े नियम अपनाने होगे। अपने भिजी स्वार्थो को भी त्यागना होगा। अपनी प्राच्य विचाओं को नवजीवन देने के लिए अपना समय अमाज मे देता होगा।

1. अपने आचरण में सौम्यता, सहजता, गंभीरता का समावेश करना होगा।

2. बाणी की साधना, ज्ञान की विस्तरप्रगति, दृष्टिकोण की बटीकी अपने में उत्पन्न करनी होगी

3. जिस भी माध्यम से जिज्ञासुओं के प्रश्नों का उत्तर देता है उस विद्या के पति आपकी अपनी निष्ठा होती आवश्यक है।

4. देश, काल, वातावरण के अनुरूप अपने ज्ञान होगा। वस्त्रों से नहीं% शास्त्रों से अपने को सुसज्जित करना होगा। आचरण आधुनिकता के साथ जोड़ना एवं चरित्र को श्रेष्ठ बनाना आहे आवश्यक है। आपके वस्त्रों और वाणी से कोई एक बार प्रभावित होगा लेकिन अगर आपको समाज में निरन्तर अपनी प्रतिष्ठा ज्योतिष के क्षेत्र में बनाती है तो शास्त्रों का अध्ययन आपटयहाँ 5. ज्योतिष शास्त्रों अति प्राचीन है, उसे आज के आधुनिक समाज के साथ समन्वय स्थापित करना होगा। आज का युवा तार्किक है अपने प्रश्नों को वह भरोसे नहीं छोड़ता - आप एक प्रश्न का उत्तर देंगें तो वह दूसरे प्रश्न से उसस्टर भाग्य के है। को देगा। अतः जो भी कहे उसके सत्यता की कसौटी पर कसा के हैं।

इससे आपको ही नहीं वस्तु ज्योतिष शास्त्र की भी प्रतिष्ठा पुनः स्थापित होगी। सत्य सदैव रहता है। कार्ड की हाही एक बार चढ़ती है। अहः सत्यता को सर्वोपरी रखें। ज्योतिष विद्या से प्रश्नकर्ता के प्रश्नों प्रश्नकर्ता की मनोदशा का भी ध्यान रखें क्योंकि भाविचार कर उत्तर दें। के पास जे व्यक्ति आया है। वह कुछ कठिनाई में आया है ऐसे में उसकी कुण्डली का विश्लेषण करते हुए कुछ नकारात्मक आंकलन आने पर उसे सत्यता के साथ सहा करा कर बताएं क्योंकि आप सत्य न बताकर अच्छा-अच्छा बताएं लेकिन उसका कुरा होने वाला है तो वह आपके के ज्योतिष ज्ञान को झूठा बताएगा कि पंडित ने तो सब अच्छा बताया था टोकिन मेरा तो बहुत बुरा हुआ। जैसे-विवाह का समय, कायर आदि में घाटा, पारिवारिक कलह, फोटो आहे ऐसे कई प्रश्नों के उत्तर में सत्यता के -साथ अवगत कराएं (बचने का उपाय, धैर्य आदि के लिए भी उन्हें बताएं। इससे आपको विश्वनीयता बढ़ेगी। गलट को गलत, सही से सही कहने पर ही ज्योतिष विद्या पर विश्वास बढ़ेगा और जन-जन को इसकी महत्ता पता चलेगा। यह किया मार्गदर्शक का कार्य करती है। अतः इसे अपनी प्रतिष्ठीत स्थान पर सत्यापित करने के लिए इतना तो करच ही होगा।

-ज्योतिषाचार्या, परा विद्, आध्यात्मिक परामर्श पुस्तचरोजी समाजसेवी ब्रह्मचारिणी पूनम उज्वल

एकता नगर, गली 02 रुड़की रोड, मेरठ (उच्च) भारत

आमंत्रण

नवम अखिल भारतीय ज्योतिष तंत्र एवं वास्तु महासम्मेलन

दिनांक 1-2 अक्टूबर 2023 होटल एमसीआर बस स्टैंड कुरावर मंडी, जिला राजगढ़ मध्यप्रदेश में

आप सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य आयोजक : पं. लक्ष्मीचंद चौधरी ज्योतिषाचार्य कुरावर
संपर्क - 9425027157

सम्मेलन प्रभारी : पं. सीआर शर्मा गौतम गुरुजी

आयोजन समिति प्रमुख : श्री विद्याभूषण सिंह जी

मंच प्रभारी : श्री आनंद वरंदानीजी, तांत्रिक मुकेश बाबा

सहयोग : पं. युवराज राजौरिया, सुश्री रजनी निखिल, श्री केआर उपाध्याय, श्री राजेंद्र शुक्ला

विशेष जानकारी के लिए संपर्क - 7000742932, 9893459503, 9893294144, 9425032977

परंपराओं पर कुठाराघात

पर्यटन या परंपरा

आवरण कथा

दर्शन करो, पर्यटन करो, पूजा-पाठ हवन यज्ञ की परंपराएं बंद

शिवरात्रि पर्व पर कंडों से बनाई कृत्रिम भस्म से आरती करते मंदिर के महंत श्री विनीत गिरीजी महाराज।

ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम उज्जैन से लाइव

धार्मिक स्थलों, मंदिरों में श्रद्धालुओं, भक्तों से अगर पूछा जाए कि आपको धार्मिक श्रद्धा सुविधा के साथ मंदिर में दर्शन करने में प्राथमिकता देंगे अथवा पर्यटन में। तब सभी यही कहते मिलेंगे कि हम धार्मिक स्थलों में धर्म, कर्म, पूजा-पाठ करने आए हैं न कि पर्यटन करने आए हैं।

ऐसे ही अनेक उदाहरण सामने आते हैं जहां पर धार्मिक स्थलों में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ धर्म एवं धार्मिक परंपराओं को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। वेद में कहा गया है कि धर्म का संचार धार्मिक परंपराओं से होता है। अगर धार्मिक परंपराएं अवरुद्ध होती हैं तो धार्मिक क्रियाएं बंद सी हो जाएंगी। सबसे ताजा उदाहरण आदिकाल से चली आ रही महाकाल की भस्म आरती का है। जहां पर महाकाललोक के पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए जाने के पूर्व से महाकाल की भस्म आरती अनंतकाल से परंपरारिक ढंग से नहीं हो रही है। हम सबने यही जाना, समझा एवं सुना था कि महाकाल की भस्म

चक्रतीर्थ शमशान से जब चलती थी तो उनके भैरव (कुत्ते) भस्म की रक्षा के लिए महंत साधु के पीछे-पीछे चलते थे ऐसे कई वीडियो यू-ट्यूब में भस्म आरती की परंपरा का बखान करते नहीं थकते। परंतु आज यह परिपाटी लगभग समाप्त की जा चुकी है। कृत्रिम कंडे की आग जलाकर भस्म तैयार कर भगवान महाकाल को समर्पित की जाती है। जो कि खंडित परंपरा का अंश मात्र है। जहां भी हमारी परंपराएं नष्ट होती हैं वहां की धार्मिक स्थिति, धार्मिक महत्व कमजोर हो जाता है। परन्तु आज कई वर्षों से वास्तविक परंपरागत रूप से चलने वाली भस्म आरती तो बंद हो गई है परन्तु भस्म आरती के नाम पर सरकार वसूली कर रही है। यह खोज का विषय है, कि चुपचाप भस्म आरती के वास्तविक स्वरूप को किसने बदल दिया एवं इसकी किसी ने सुध भी नहीं ली। क्या कहते होंगे महाकाल, क्या सोचती होंगी वह मोक्षदायिनी क्षिप्रा चूंकि यहां पर शिप्रा नदी का नाम आया है तो इस विषय में भी चर्चा होना स्वभाविक है। हम सब जानते हैं कि हमारी धर्म की रीढ़ पवित्र नदियां हैं। आज तमाम धार्मिक नदियों की दुर्दशा हम सब अपनी आंखों से देख रहे हैं। इन नदियों में स्नान की बात तो दूर श्रद्धालु आचमन भी नहीं कर पाते हैं, तो मोक्ष कैसा? सरकारों ने लगातार नदियों को स्नान, त्योहारों में डुबकी लगाने हेतु करोड़ों-अरबों रुपए का व्यय कर डाला, पर स्नान दो दूर आचमन लायक भी जल को पवित्र , स्वस्छ नहीं कर सके। इस प्रकार आप खुद सोचें कि अगर हमारी रीढ़ नहीं होगी तो हम खड़े कैसे होंगे। इस लेख के माध्यम से प्रबुद्धजनों से प्रार्थना है कि आज भी आप अपने बीच विराजमान उन खलनायकों की पहचान कर लें जो धर्म को व्यवसाय बनाकर सरकारों का खर्च चला रहे हैं। आदिकाल से हमारे धार्मिक शहरों को भगवान पाल रहे हैं। जैसे- उज्जैन में एक भी इंडस्ट्रीज नहीं होने के बाद भी पांच सौ होटल्स हैं जो उज्जैन को महाकाल भगवान पाल रहे हैं।

वैसे ही मथुरा-वृंदावन को भगवान कृष्ण, प्रयागराज में गंगा मैया, अयोध्या को रामलला, मैहर को शारदा मां, गुहाटी को कामाक्षा मां आदि ऐसे अनेक छोटे-बड़े शहरों को भगवान पालते हैं। साथ ही इनके मंदिर से निकली हुई कमाई का हिस्सा सरकार अन्य कार्यों में लगाती है, परन्तु उस स्थान पर जहां पर धर्म से कमाई की जा रही है वहां पारंपरिक धार्मिक परंपराएं धीरे-धीरे बंद की जा रही हैं। यह घुन की तरह धर्म पर लगने वाला रोग है घुनरूपी धार्मिक कीड़े हर राज्य में धार्मिक स्थलों, पवित्र स्थानों पर धर्म को खोखला करने में लगे हैं। धार्मिक उन्माद फैलाकर ये अपनी गंदी रोटियां सेंकना जानते हैं। हम आप इस विषय में सोच-समझकर हैरान हैं कि आखिर जिस पवित्र स्थल की हम गाथाएं गाकर नहीं थकते थे आज वहां की वास्तविक परंपराओं में चुपचाप उलटफेर कर दिया गया। जिसकी जिम्मेदारी कोई नहीं ले सकता। न ही सरकार के कर्ताधर्ता और न ही समाजसेवी एवं धर्म को चलाने वाले धर्माचार्य। अगर इसी प्रकार के समाजसेवी, धर्माचार्य, कर्ताधर्ता धर्म के बचाव की दुहाई देते रहेंगे तो वह दिन दूर नहीं जब धार्मिक परंपराएं बंद होकर धर्म को पतन की ओर ले जाएंगी। हम सभी की शायद यही इच्छा है कि शासन-प्रशासन महाकाल उज्जैन में बंद भस्म आरती की वास्तविक स्वरूप में परंपरा को पुन: प्रारंभ करवाए, जिससे आम भक्तों को वास्तविक पुण्य की प्राप्ति हो।

परंपराएं जारी रहने से धर्म बलवान होता है

भस्म आरती करने वाले नवनियुक्त महंत विनीत गिरी महाराज महाकाल मंदिर उज्जैन

भस्म आरती के विषय में जब लेखक द्वारा महाकाल उज्जैन के भ्रमण के दौरान वहां के पुजारी-आचार्यों से विस्तृत चर्चा की तो उन्होंने बताया कि धर्म परंपराओं पर संचार होता है। अगर परंपराएं जीवित हैं तो धर्म जीवित रहता है। परंपरागत भस्म आरती के विषय में उन्होंने बताया कि विगत कुछ वर्षों से शासन-प्रशासन ने शमशान चक्रतीर्थ से आ रही अनुष्ठानिक भस्म लाने की परंपरा बंद कर मंदिर में ही कंडे से भस्म बनाकर भस्म आरती शुरु करवाई है। चूंकि मंदिर प्रशासन के अधीन है अत: मंदिर की परंपराएं प्रशासन ही बदलता है जो कि उचित नहीं है। परंपराएं निरंतर जारी रहने से धर्म में वृद्धि होती है। धर्मवृद्धि के साथ स्थान के महत्व में अत्यन्त वृद्धि होती है तथा दर्शनार्थियों को वास्तविक पुण्य प्राप्त होता है।

ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल एवं कालिदास संस्कृत अकादमी मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पंचम राष्ट्रीय कालिदास ज्योतिष सम्मेलन

13-14 जुलाई 2024 ईस्वी

में आप सादर आमंत्रित हैं।

रजिस्ट्रेशन के लिये संपर्क करें-कार्यक्रम संयोजक पं. विनोद गौतम

मो. नं.: 9827322068

ज्योतिष सम्मेलन वृंदावन–2022 स्मृति चित्र

नवम् विश्व ज्योतिष सम्मेलन
वृंदावन धाम
में पधारे हुए सभी अतिथियों का
स्वागत-वन्दन, अभिनन्दन

कालिदास काव्य ज्योतिष

ज्योतिष शास्त्र को रिचजीवी बनाए रखने में हमारे काव्य ज्योतिषियों द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन महर्षियों द्वारा ज्योतिष के सूत्रों को कविताओं, रचनाओं में पिरोकर अमर कर दिया गया है। परन्तु कुछ समय से यह काव्य ज्योतिष विलुप्त होती जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा खोज करके कुछ काव्य ज्योतिषियों के कविताओं के माध्यम से कुछ रचनाएं प्रस्तुत हैं ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक ज्योतिष के महर्षि पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी के द्वारा रचित अनेक कविता सूत्र ज्योतिष के प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर रहे हैं। जैसे हस्त रेखा, समाज, कर्म, बारिश आदि से संबंधित कहावतें-

कोंचा से रेखा चली, गई तर्जनी पास।
सो नर पंडित जानिए लक्ष्मी करे निवास।।

शुक्रवार की बादरी रही शनिचरी छाए।
ऐसा बिरला कभी न देखा कि बिन बरसे न जाए।।

कर्म और करतूत का है समान अधिकार।
अस विचार कर्तव्य करो, बनो जगत करतार।।

बालक हो या बालिका, पुरुष होए या नार।
जिन जैसी विद्या पढ़ी, तिनका जस अधिकार।।

वर्षा सम्बन्धी कहावतें

आदि न बरसे आर्द्रा, हस्त न बरसे निदान।
कहै घाघ सुनु घाघिनी, भये किसान-पिसान।।

अर्थात् आर्द्रा नक्षत्र के आरम्भ और हस्त नक्षत के अन्त में वर्षा न हुई तो ऐसी दशा में किसान पिस जाता है अर्थात् बर्बाद हो जाता है।

अषाढ़ी पूनों दिना, गाज, बीज बरसन्त।
नासै लक्षण काल का, आनन्द माने सन्त।।

अर्थात् आषाढ़ मास की पूर्णमासी को यदि आकाश में बादल गरजे और बिजली चमके तो वर्षा अधिक होती है और अकाल समाप्त हो जाएगा तथा सज्जन आनन्दित होंगे।

उत्तर चमकै बिजली, पूरब बहै जु बाव।
घाघ कहै सुनु घाघिनी, बरधा भीतर लाव।।

अर्थात् यदि उत्तर दिशा में बिजली चमकती हो और पुरवा हवा बह रही हो तो घाघ अपनी स्त्री से कहते हैं कि बैलों को घर के अन्दर बाँध लो, वर्षा शीघ्र होने वाली है।

उलटे गिरगिट ऊँचे चढ़ै। बरखा होई भूई जल बुड़ै।।

अर्थात् यदि उलटे गिरगिट उलटा पेड पर चढ़े तो वर्षा इतनी अधिक होगी कि धरती पर जल-ही-जल दिखेगा।

करिया बादर जीउ डरवावै। भूरा बादर पानी लावै।।

अर्थात् आसमान में यदि घनघोर काले बादल छाये हैं तो तेज वर्षा का भय उत्पन्न होगा, लेकिन पानी बरसने के आसार नहीं होंगे, परन्तु यदि बादल भूरे हैं तो समझें पानी निश्चित रूप से बरसेगा।

चमके पच्छिम उत्तर कोर। तब जान्यो पानी है जोर।।

अर्थात् जब पश्चिम और उत्तर के कोने पर बिजली चमके, तब समझ लेना चाहिये कि वर्षा तेज होने वाली है।

चैत मास दशमी खड़ा, जो कहुँ कोरा जाई।
चौमासे भर बादला, भली भाँति बरसाई।।

अर्थात् चैत्रमास के शुक्लपक्ष की दशमी को यदि आसमान में बादल नहीं है तो यह मान लेना चाहिये कि इस वर्ष चौमासे में बरसात अच्छी होगी।

जब बरखा चित्रा में होय। सगरी खेती जावै खोय।।

अर्थात् यदि चित्रा नक्षत्र में वर्षा होती है तो सम्पर्णू खेती नष्ट हो जाती है, इसलिये कहा जाता है कि चित्रा नक्षत्र की वर्षा ठीक नहीं होती।

माघ में बादर लाल घिरै। तब जान्यो साँचो पथरा परे।।

अर्थात् यदि माघ के महिने में लाल रंग के बादल दिखायी पड़े तो ओले अवश्य गिरेंगे। तात्पर्य यह है कि यदि माघ महीने में आसमान लाल रंग का दिखाई दे तो ओले गिरने के लक्षण हैं।

रोहिनि बरसे मृग तपे, कुछ दिन आर्द्रा जाय।
कहे घाघ सुनु घाघिनी, स्वान भात नहिं खाय।।

अर्थात् घाघ कहते हैं कि हे घाघिन। यदि रोहिणी नक्षत्र में पानी बरसे और मृगशिरा तपे और आर्द्रा के भी कुछ दिन बीत जाने पर वर्षा हो तो पैदावार इतनी अच्छी होगी कि कुत्ते भी भात खाते-खाते ऊब जायेंगे और भात नहीं खायेंगे।

सावन केरे प्रथम दिन, उवत न दीखै भान।
चार महीना बरसै पानी, याको है परमान।।

अर्थात् यदि सावन के कृष्णपक्ष की प्रतिपदा को आसमान में बादल छाये रहें और प्रात:काल सूर्य के दर्शन न हो तो निश्चय ही चार महीने तक जोरदार वर्षा होगी।

अकाल सम्बन्धी कहावतें

कार्तिक मावस देखो जोसी। रवि सनि भौमवार जो होखी।

स्वाती नखत अरू आयुष जोगा। काल पड़ै अरू नासैं लोगा।।

अर्थात् भड्डुरी का कहना है कि ज्योतिषी को कार्तिक की अमास्वया को यह देख लेना चाहिये कि उस दिन रविवार, शनिवार और मंगलवार, स्वाती नक्षत्र तथा आयुष्य योग तो नहीं है। यदि ऐसा है तो अकाल पड़ेगा और मनुष्यों का नाश होगा।

चटका मघा पटकिगा ऊसर। दूध भात में परिगा मूसर।।

अर्थात् यदि मघा नक्षत्र सूखा चला जाय तो समझो कि सारी जमीन ऊसर बन जायगी किसान को दूध-भात तक भी नहीं मिलेगा।

नवैं अषाढ़े बादले, जो गरजे घनघोर।
कहै भड्डुरी ज्योतिसी, काल पड़े चहुँओर।।

अर्थात् आषाढ़ कृष्ण पक्ष की नवमी को आकाश में घनघोर बादल गरजे तो ज्योतिषी भड्डुरी कहते हैं कि चारों ओर भीषण अकाल पड़ने वाला है।

पॉच मंगरी फागुनी, पूस पाँच सनि होय।
काल पड़े तब भड्डुरी, बीज बोअइ मति कोय।।

अर्थात् फाल्गुनी मास में पांच मंगलवार और पौष मास में यदि पाँच शनिवार पड़े तो भड्डुरी के अनुसार निश्चय ही अकाल पड़ने वाला है और कोई बीज न बोये, क्योंकि उससे कोई लाभ नहीं होगा।

सावन पुरवाई चलै, भादों में पछियाँव।
कन्त डँगरवा बेचि के, लरिका जाई जियाव।।

अर्थात् यदि सावन महीने में पुरवा हवा बहे और भाद्रपद पछुवा बहे तो हे स्वामी! पशुओं को बेच दो और बच्चों को पालने की चिन्ता करो; क्योंकि वर्षा नहीं होगी और अकाल पड़ेगा।

ज्योतिष-सम्बन्धी कहावतें

अखै तीज रोहिनी न होई। पौष, अमावस मूल न जोई।
राखी श्रवणो हीन विचारो। कार्तिक पूनों कृतिका टारो।।
महि-माहीं खल बलहिं प्रकासै। कहत भड्डुरी सालि बिनासै।।

अर्थात् भड्डुरी कहते है कि वैशाख अक्षय तृतीया को यदि रोहिणी नक्षत्र न पड़े, सावन की अमावस्या को यदि मूल नक्षत्र न पड़े सावन की पूर्णमासी को यदि कृतिका नक्षत्र न पड़े तो समझ लेना चाहिये कि धरती पर दुष्टों का बल बढ़ेगा और धान की उपज नष्ट होगी।

अद्रा भद्रा कृत्तिका, असरेखा जो मघाहिं।
चन्दा ऊगै दूज को, सुख से नरा अघाहिं।।

अर्थात् द्वितीया का चन्द्रमा यदि आर्द्रा भद्रा (भाद्रपद), कृतिका, अश्लेषा या मघा में उदित हो तो मनुष्य को सुख-ही-सुख प्रांप्त होगा।

जो चित्रा में खेलै गाई। निहचै खाली साख न जाई।।

अर्थात् यदि कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा- गोवर्धन पूजा अन्नकूट, गोक्रीड़ा के दिन चित्रा नक्षत्र में चन्द्रमा हो तो फसल अच्छी होती है।

पॉच सनीचरा पॉच रवि, पॉच मंगल जो होय।
छत्र टूट धरनी परै, अन्न महँगो होय।।

अर्थात् भड्डुरी कहते है कि यदि एक महीने में पॉच शनिवार, पॉच रविवार और पॉच मंगलवार पड़े तो महा अशुभ होता है। यदि ऐसा होता है तो या तो राजका नाश होगा या अन्न महंगा होगा।

सोम सुकर सुरगुरू दिवस, पूस अमावस होय।
घर घर बजी बधावड़ा, दु:खी न दीखै कोय।।

अर्थात् पूस की अमावास्या को यदि सोमवार, बृहस्पतिवार या शुक्रवार पड़े तो शुभ होता है और हर जगह बधाई बजेगी तथा कोई भी आदमी दु:खी नहीं रहेगा।

शकुन विचार

कपड़ा पहिरै तीनि बार। बुध बृहस्पत शुक्रवार।
हारे अबरे इतवार। भड्डुर का है यही बिचार।।

अर्थात् वस्त्र धारण करने के लिये बुध, बृहस्पति और शुक्रवार का दिन विशेष शुभ होता है। अधिक आवश्यकता पड़ने पर रविवार को भी वस्त्र धारण किया जा सकता है, ऐसा भड्डुरी का विचार है।

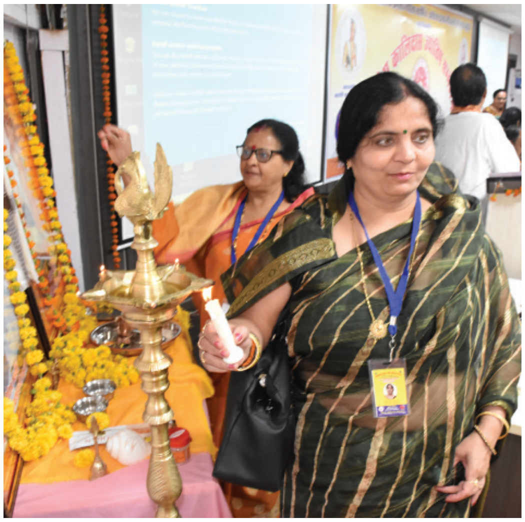

राष्ट्रीय कालिदास ज्योतिष सम्मेलन भोपाल का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण।

राष्ट्रीय कालिदास ज्योतिष सम्मेलन भोपाल में ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा प्रकाशित स्मारिका सौभागायम् का विमोचन।

अलंकरण

राष्ट्रीय कालिदास ज्योतिष सम्मेलन भोपाल में श्री अनंतचरणदासजी महाराज कोटा एवं पं. धनेश प्रपन्नाचार्यजी भोपाल को धर्माचार्य, धर्मगुरु की उपाधि से अलंकृत किया गया।

धर्माचार्य, धर्मगुरु पं. धनेश प्रपन्नाचार्यजी का अलंकरण।

वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोक प्रियदर्शीजी का अलंकरण।

ज्योतिष सम्मेलन के संयोजक पं. विनोद गौतम का अलंकरण।

धर्माचार्य, धर्मगुरु श्री अनंत चरणदासजी का अलंकरण।

मंचासीन अतिथिगण।

पंचांगकार डॉ. प्रकाश गौतमजी का सम्मान।

कुलपति श्री सुनील कुमार शर्माजी का अभिनन्दन।

संस्थान के सदस्य श्री सुबोध मिश्रा का अभिनन्दन।

संस्थान की सदस्या सुश्री रमा गर्ग का अभिनन्दन।

स्मृति चित्र सम्मान समारोह

सम्मेलन में संबोधन आचार्य श्री नित्यानंदजी वृंदावन।

बगुलामुखी पीठाधीश्वर श्री रविंद्रदासजी महाराज भोपाल।

संस्कृति संचालक मप्र श्री अदिति कुमार त्रिपाठीजी।

क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री पी.सी. शर्माजी।

वरिष्ठ पत्रकार श्री दिनेश शर्माजी भोपाल।

पुलिस कमिश्नर भोपाल श्री हरिनारायण चारी मिश्राजी।

देश का पहला ज्योतिष मंदिर

दिव्य ज्योतिष के प्रणेता ज्योतिष महर्षि ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी की पुण्य स्थिति में उनके अनुयायियों द्वारा श्यामर डांडा पन्ना में ज्योतिष मंदिर का निर्माण किया गया है। संभवत: यह देश का पहला ज्योतिष मंदिर है। इस ज्योतिष मंदिर में नवग्रह वाटिका, नक्षत्र वाटिका के साथ नवग्रहों की मूर्ति स्थापित है। साथ ही गुरुदेव पं. गौतमजी की संगमरमर की पांच फिट की मूर्ति मंदिर की शोभा बड़ा रही है। मंदिर की व्यवस्था देख रहे श्रवण उपाध्याय ने बताया कि मंदिर में दर्शन करने प्रसाद चढ़ाने तथा अपनी मनोकामना की पूर्ति हेतु दूर-दूर से गुरुजी के यजमान, अनुयायी, भक्तगणों का आना-जाना लगा रहता है। यहां पर की गई प्रार्थना अवश्य स्वीकार होती है एवं घर में सुख-शांति का वास होता है। अनुयायियों-भक्तों ने बताया कि यहां आकर हमें गुरुजी का साक्षातकार हो जाता है तथा हमारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ज्योतिष मंदिर के निर्माण एवं विकास कार्यों को डॉ. प्रकाश गौतम के निर्देशानुसार शोध कार्य होता है।

दिव्य ज्योतिष के प्रणेता पं. गौतमजी द्वारा ज्योतिष के सिद्धांत, वैदिक ज्योतिष, कर्मकांड ज्योतिष एवं तंत्र ज्योतिष के अन्य क्षेत्रों में विशेष अनुसंधान कार्य किए गए हैं। आपके द्वारा इन्हीं अनुसंधान कार्यों के संपादन हेतु राजधानी भोपाल में ज्योतिष मठ संस्थान की स्थापना की। जहां पर अनुष्ठानिक कार्यों के अतिरिक्त ज्योतिष विषयक अनुसंधान कार्य किए जाते हैं। पंचांग निर्माण कलेंडर निर्माण के कार्य पूर्वानुसार जारी है। साथ ही अनेक ज्योतिषीय पुस्तकों का प्रकाशन भी ज्योतिष मठ से किया जाता है। ज्योतिष मठ से प्रकाशित प्रकाशन में गौतम पंचांग, नवग्रह रहस्यम्, कुंभ रहस्यम्, मनोनुकूल संतान गर्भाधान रहस्यम्, आयुर्वेद रहस्यम्, व्रत-पर्व रहस्यम् तथा संस्थान की पत्रिका सौभाग्यम प्रमुख है। संस्थान का कार्य पं. विनोद गौतम द्वारा बड़ी निपुणता से किया जा रहा है। यहां पर निरंतर शोध-अनुसंधान कार्य जारी हैं।

ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल

- जन्म-पत्रिका, पंचांग, कैलेंडर निर्माण कार्य
- अनुष्ठान, गृह प्रवेश, महामृत्युंजयी आराधना, जाप
- कपाल भैरवी, बगुलानुमुखी, अकालानुमुखी, आदि शत्रुविजयी अनुष्ठान
- जन्म पत्रिका में मंगल दोष, पितृ दोष, कालसर्प दोष, चांडाल दोष,

विष कन्या दोष आदि समस्याओं के अनुसंधान व समाधान के लिए

संपर्क करें

(भारतीय प्राचीन ज्योतिष, हस्तरेखा, आयुर्वेद, खगोल, वास्तु एवं मौसम अनुसंधान संस्थान)

पता : ई.एम. 129 ज्योतिष मठ, नेहरू नगर, भोपाल (मप्र)-462003

ज्योतिषाचार्य पं. विनोद कुमार अयोध्या प्रसाद गौतम

मोबाइल नं. : 9827322068, 9179393080

e-mail-pt.vinodgoutam@gmail.com, website-www.jyotishmath.com

आग्रह : ज्योतिष मठ संस्थान के विकास व अनुसंधान कार्यों में आर्थिक सहयोग प्रदान करें एवं संस्थान के सदस्य बनें। सहयोग राशि बैंक खाता क्रमांक 61211920616 IFSC-SBIN0010468 में जमा कर हमें सूचित करें।

संस्थान द्वारा पंचांग के अतिरिक्त अन्य प्रकाशित पुस्तकें जैसे, महालक्ष्मी पूजा पद्धति, कुंभ रहस्यम्, संतान प्राप्ति रहस्यम्, श्राद्ध रहस्यम्, नवग्रह रहस्यम्, विवाह पद्धति आदि डाक से घर बैठे प्राप्त करें।

अपने रत्न, ज्वेलरी की जांच करवा लें, कहीं नकली तो नहीं!

कुछ चुनिन्दा ब्राँडेड रत्न, ज्वेलरों द्वारा नकली रत्न, ज्वेलरी देकर लोगों को ठगा जा रहा है। भोपाल में ऐसे कुछ ज्वेलरों के ऊपर एफआईआर तक हो चुकी है। जानकारी के अनुसार महंगे रत्न की ज्वेलरी विवाह-शादी इत्यादि हेतु गिफ्टेट ज्वेलरी में नकली कांच का टुकड़ा लगाकर एवं उसे स्वयं सर्टिफाइड कर उसे महंगे दामों में बेचा जा रहा है। विवाह हेतु रिंग सेरेमनी की अंगूठी में नकली हीरा होने का प्रमाण मिला है। ये रत्न वाले दूल्हे-दुल्हन प्रथम विवाह रस्म की अंगूठी में सबसे ज्यादा नकली हीरा लगाते हैं। दूल्हा-दुल्हन उस प्रथम रस्मी अंगूठी को शुभ मानकर संभालकर लॉकर आदि सिंदूर की डिब्बी में हमेशा के लिए रख देते हैं। वे कभी उसकी जांच तक नहीं कराते। इस विश्वास के साथ कि इसमें महंगा हीरा अथवा रत्न जड़ा है, परन्तु यह उनका भ्रम साबित होता है, जब वे अपनी इस अंगूठी की जांच कराते हैं। इन ज्वेलरों-रत्न वालों द्वारा कुछ प्रलोभी एवं दलाल किस्म के ज्योतिषियों का सहारा लेकर उन्हें कमीशन देकर महंगे-महंगे रत्न आपके द्वारा खरीदवाते हैं। अगर आपको कोई ज्योतिषी महंगा रत्न लिखता है एवं किसी विशेष दुकान से लेने से लिए कहता है तब आप निश्चित समझें कि यह ज्योतिषी नहीं, बल्कि रत्न वाले का दलाल है। अतः आप सभी से निवेदन है कि आप अपने यहां रखी रत्न-ज्वेलरी की जांच समय रहते अवशय करा लें।

अशोक प्रियदर्शी
वरिष्ठ पत्रकार भोपाल, मो. 9340833602